न्यूज डायरी

किम जोंग उन ने बनाई नई किलर परमाणु मिसाइल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्योंगयांग। किलर मिसाइलों को पागलों की हद तक पसंद करने वाले उत्तर कोरिया के क्रूर तानाशाह किम जोंग उन ने एक बेहद घातक नई परमाणु मिसाइल बनाई है जो पूरे अमेरिका के किसी भी शहर को तबाह कर सकती है। उत्तर कोरिया के मिसाइल बनाने की यह खबर ऐसे समय पर आई है जब किम जोंग उन और पश्चिमी देशों के बीच बातचीत रुक गई है। इस मिसाइल का नाम नाम ह्वेदह–15 है और किम जोंग उन इसे सैन्य परेड में पेश कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि किम जोंग उन के सैन्य परेड का मुख्य आकर्षण Hwasong–15 मिसाइल है। यह मिसाइल 1000 किलोग्राम के विस्फ्फोटक को लेकर 8000 मील या करीब 12800 किमी तक मार कर सकती है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने बताया कि इन नई अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल के जरिए विशाल परमाणु हथियारों को ले जाया जा सकता है जिसके जरिए पूरे अमेरिका को निशाना बनाया जा सकता है।

शादी की 30वीं सालगिरह पर मुर्दागाड़ी में कंकालों के बीच 320 किमी घूमा यह जोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। लोग अपनी शादी की सालगिरह को खास बनाने के चक्कर में क्या–क्या नहीं करते। लेकिन क्या आपने कभी ये सुना है कि कोई जोड़ा मुर्दागाड़ी में बैठ घूमने निकल जाए। सुनने में यह भले अजीब लगे, लेकिन इंग्लैंड के वेल्स में रहने वाले एक जोड़े ने ऐसा सचमुच किया है। स्टीव (60 वर्ष) और हेनरी (55 वर्ष) ने अपनी शादी की 30वीं सालगिरह के मौके पर एक शववाहन खरीदा। फिर उसमें अपने हिसाब से कई बदवाल किए। इसमें पीछे की तरफ ताबूत के स्टाइल में बेड लगाना भी शामिल था, जिसके चारों तरफ उन्होंने कंकाल रखे हुए हैं। इसी गाड़ी में और ताबूत की स्टाइल में बने बेड पर सोकर इस जोड़े ने 320 किलोमीटर की लंबी यात्रा पूरी की। ट्रिप की तस्वीरों में देखा जा सकता है कि स्टीव और हेनरी, ताबूत स्टाइल में बने बेड पर सोए हुए हैं और उनके चारों तरफ कंकाल और मोमबत्ती स्टैंड रखे हुए हैं।

अमेरिकी दूतावास ने काबुल में महिलाओं के खिलाफ हमले की चेतावनी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने आगाह किया है कि कट्टरपंथी संगठन विभन्न लक्ष्यों, विशेषकर महिलाओं को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। दूतावास की ओर से बृहस्पतिवार को जारी की गई इस चेतावनी में किसी संगठन का नाम नहीं लिया गया। यह चेतावनी ऐसे समय में जारी की गई है जब तालिबान और अफगाान सरकार द्वारा नियुक्त वार्ताकार पहली बार एक साथ बैठ कर दशकों के अनवरत युद्ध का कोई शांतिपूर्ण अंत खोजने की कोशिश कर रहे हैं। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा, '' तालिबान का इस तरह के हमले करने का कोई इरादा नहीं है।'' वहीं दूतावास की ओर से जारी चेतावनी के अनुसार, '' कट्टरपंथी संगठन लगातार अफगानिस्तान में कई लोगों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं।

कोरोना वायरस पर फिर विजय की ओर बढ़ रहा न्यूजीलैंड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में गत पांच हफ्तों में पहली बार कोरोना वायरस से संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है जिससे उम्मीद जगी है कि ऑकलैंड में पिछले महीने शुरू हुई महमारी थम रही है। इससे साथ ही शुक्रवार लगातार चौथा दिन रहा जब सामुदायिक स्तर पर संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया। हाल में जो मामले सामने आए हैं वे उन लोगों के हैं जो विदेश से लौटे थे और पृथकवास में रह रहे थे। हालांकि, अधिकारियों ने अगस्त में सामने आई महमारी के स्रोत की जानकारी नहीं दी है जिसे आयातित माना जा रहा है। गौरतलब है कि ऑकलैंड में अस्थायी रूप से लॉकडाउन लगाया गया था क्योंकि न्यूजीलैंड वायरस के सामुदायिक स्तर पर संक्रमण को खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। न्यूजीलैंड में अबतक कोविड–19 के मात्र 1,800 मरीज सामने आए हैं जिनमें से 25 लोगों की मौत हुई है।

तो भारत बनाएगा थाईलैंड का क्रा कैनाल प्रॉजेक्ट?

साउथ चाइना सी तक होगी नौसेना की पहुंच

उपलब्धि

■चीन को नहीं मिला कैनाल प्रोजेक्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बैंकाक। हिंद महासागर में चीन की पांव जमाने की तैयारियों को तगड़ा झटका लगा है। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण थाईलैंड के क्रा कैनाल (क्रा नहर परियोजना) प्रॉजेक्ट को बनाने की रेस में अब भारत भी शामिल हो गया है। 135 किलोमीटल लंबी यह नहर थाईलैंड की खाड़ी को अंडमान सागर से जोड़ेगी। इससे हिंद महासागर और साउथ चाइना सी के बीच की दूरी कम हो जाएगी। पहले अंदेशा जताया जा रहा था कि यह प्रॉजेक्ट चीन को मिल गया है, लेकिन थाई सरकार ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है।

थाईलैंड के एक संसदीय पैनल ने सोमवार को दावा किया कि कई राष्ट्रों ने दक्षिणी थाईलैंड में क्रा कैनाल के निर्माण में रूचि दिखाई है। इससे साउथ चाइना सी से हिंद महासागर में आने वाले जहाजों को मलक्का जलडमरूमध्य का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इससे उन जहाजों के समय और ईंधन की खपत में भी कमी आएगी।

रेस में भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका भी शामिलः इस प्रोजक्ट की व्यवहार्यता का अध्ययन करने वाली संसदीय समिति के प्रमुख और थाई नेशन पावर पार्टी के सांसद सोंगक्लोड थिप्रैट ने कहा कि क्रा इस्तमुस में एक नहर बनाने का सदियों पुराना सपना वास्तविकता बनने के करीब पहुंच रहा है। चीन, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे देश इस परियोजना पर थाईलैंड का समर्थन करने के इच्छुक हैं।

30 से अधिक विदेशी फर्म थाई सरकार के संपर्क में

सांसद सोंगक्लोड ने थाई मीडिया से बातचीत में यह भी कहा कि ये सभी देश कैनाल के निर्माण के लिए हमारे साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं। कई विदेशी दूतावासों ने इस परियोजना की स्टेटस रिपोर्ट के लिए हमसे संपर्क किया है। इस कैनाल के निर्माण के लिए 30 से अधिक विदेशी फर्मों ने हमें वित्तीय और तकनीकी सहायता के साथ निवेश या आपूर्ति करने में रुचि दिखाई है।

हिंद महासागर में चीन का प्लान फेलः इस कैनाल प्रोजक्ट में भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे चीन के धुर विरोधी देशों की एंट्री से मामला एकदम पलट गया है। पहले अंदेशा जताया जा रहा था कि हिंद महासागर में अपना दबदबा कायम करने के लिए चीन हर हाल में इस प्रोजक्ट को पूरा करना चाहेगा। इससे न केवल वह भारत को कम समय में घेर सकता था, बल्कि उसकी नौसेना अंडमान और निकोबार में भारतीय सैन्य अड्डे के पास भी जल्दी पहुंच जाती।

क्यों महत्वपूर्ण है यह प्रोजक्टः यह कैनाल प्रोजक्ट जिस देश को भी मिलेगा, वह व्यापारिक और सामरिक रूप से इसका इस्तेमाल भी कर सकेगा। इससे उस देश की अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि हिंद महासागर और साउथ चाइना सी में उसका दबदबा भी कायम हो जाएगा।

दुनिया में 70 फीसदी लोगों को हो सकता है कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन के सांस से संबंधित बीमारियों के नामचीन विशेषज्ञ झोंग नानशान ने आगाह किया है कि अगर कोरोना वायरस को फैलने से रोका नहीं गया तो दुनिया की कुल आबादी का 60 से 70 फीसदी हिस्सा (करीब 4 अरब लोग) इसकी चपेट में आ जाएगा। इनमें से 6.95 प्रतिशत लोगों की कोरोना वायरस महामारी से मौत हो जाएगी। नानशान ने कहा कि इस महामारी को रोकने के लिए पूरी दुनिया में व्यापक पैमाने पर टीका लगाना होगा।

शुक्रवार को एक ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉक्टर नानशान ने कहा कि हर्ड इम्युनिटी को व्यापक पैमाने पर टीकाकरण करके हासिल किया जाना चाहिए। अगर इस कोरोना महामारी को काबू में करने के लिए कदम नहीं उठाए गए तो दुनिया की कुल आबादी का करीब 60 से 70 फीसदी हिस्सा इसकी चपेट में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी इस सदियों और अगले साल बसंत के मौसम तक जारी रह सकती है। डॉक्टर नानशान ने कहा कि दुनियाभर में सामूहिक टीकाकरण में एक से दो साल लगेंगे और इसमें वैश्विक सहयोग की जरूरत होगी। वहीं चीन के एक अन्य कोरोना वैक्सीन की शोधकर्ता चेन वेई ने कहा कि कोरोना वायरस में आ रहे ताजा बदलाव से शोध पर कोई असर नहीं पड़ा है।

चीनी मीडिया का दावा, गलवान में भारत से कम मरे चीनी सैनिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के गलवान घाटी हिंसा को लेकर दिए बयान पर चीन का सरकारी भोपू ग्लोबल टाइम्स तिलमिला उठा है। चीनी सैनिकों की मौत पर चुप्पी साधने वाले ग्लोबल टाइम्स के एडिटर हू शिजिन ने दावा किया कि इस हिंसा में भारत से कम चीनी सैनिकों की मौत हुई थी। इससे पहले राजनाथ सिंह ने कहा था कि गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों ने चीन को मुंहतोड़ दिया था और बड़ी संख्या में चीनी जवानों को मार गिराया था। ग्लोबल टाइम्स के एडिटर ने कहा, जहां तक मुझे पता है, 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सैनिकों की भारत के 20 सैनिकों के मुकाबले कम मौत हुई थी। किसी भी चीनी सैनिक को भारत ने पकड़ा नहीं था, जबकि पीएलए ने उस दिन कई भारतीय सैनिकों को पकड़ लिया था।

सऊदी अरब में मिले 1.2 लाख साल पुराने इंसान के पैरों के चिह्न

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रियाद। उत्तरी सऊदी अरब में एक छिछली झील के पास इंसान के एक लाख 20 हजार साल पुराने पैरों के चिह्न मिले हैं। माना जा रहा है कि उस समय होमो सेपियन्ज्स वहां पर पानी और भोजन की तलाश में वहां रुके थे। इसी झील में पानी के लिए ऊंट, भैंस और हाथी भी आते थे। इन इंसानों ने कुछ बड़े जीवों का शिकार किया और कुछ समय बाद वहां से आगे की यात्रा पर चले गए।

शोधकर्ताओं का यह शोध साइंस अडवांस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यहां पर ऊंट, भैंस और हाथी के भी पैरों के निशान मिले हैं।

होमोसेपियंस इंसान वहां पर पानी और भोजन की तलाश में रुके थे

सऊदी अरब के नेफूद रेगिस्तान में इंसान के पैरों के ये निशान मिले हैं। इससे पता चलता है कि इंसानों के पूर्वज किस रास्ते से अफ्रीका से निकलकर दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल गए थे। इस रेगिस्तानी इलाके में उस समय इंसान और पशुओं को रहने के लिए जरूरी माहौल नहीं था।

इंसानों के ये पदचिन्ह अपने आप में बेहद खासः पिछले 10 साल के अध्ययन में पता चला है कि ऐसा हमेशा नहीं रहा और जलवायु में बदलाव की वजह से यह स्थान और ज्यादा हराभरा और आर्द्र हो गया है। उन्होंने कहा कि यह इलाका अब घास के हरेभरे मैदान, ताजे पानी और नदियों में बदल गया। इंसान के पैरों के ये निशान अल्थार झील के पास वर्ष 2017 में मिले थे। इंसानों के ये पदचिन्ह अपने आप में बेहद खास हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि सैकड़ों पद चिह्न मिले हैं जिसमें सात होमो सेपियन्स के हैं। इससे यह भी पता चला है कि तीन से चार लोगों का झुंड यात्रा कर रहा था। जब ये इंसान वहां पहुंचे थे, उसी समय कई बड़े जानवर भी वहां थे। हालांकि वहां कोई पत्थर का औजार नहीं मिला है जिससे यह पता चलता है कि यहां पर इंसान केवल पानी पीने के लिए आया था। साथ ही वहां पर शिकार भी किया हो।

ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में डिजिटल रूप से हिस्सा लेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में हिस्सा लेने सभा कक्ष नहीं जाएंगे, बल्कि डिजिटल रूप से हिस्सा लेंगे। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मिडोज ने यह जानकारी दी। कोरोना वायरस संक्रमण के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा का वार्षिक सत्र 15 सितंबर को शुरू हुआ, जहां दुनिया के नेताओं ने पहली बार डिजिटल माध्यम से मुलाकात की। सत्र में महामारी के सामाजिक और आर्थिक स्तर पर पड़ने वाले असर, जलवायु परिवर्तन तथा मानवता के सामने आने वाली अनेक चुनौतियों पर चर्चा होनी है।

मिडोज ने बृहस्पतिवार को विस्कॉन्सिन में ट्रंप अभियान रैली के लिए जाने के दौरान 'एयर फोर्स वन' में संवाददाताओं से कहा,''ट्रंप वैश्विक नेताओं की वार्षिक सभा के लिए न्यूयॉर्क में नहीं होंगे। वह इसमें व्यक्तिगत तौर पर शामिल नहीं होंगे।'' ट्रंप का 22 सितंबर को आम बहस के पहले दिन अपना संबोधन देने का कार्यक्रम है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने अभी अपने संबोधन के टेप नहीं सौंपे हैं।